vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iathdj.k l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्‌भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 12 vad % 37 y[kuÅ] 'kfuokj 07 tuojh 2022 ls 13 tuojh] 2022 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

सुरक्षा में हुई चूक के बाद राष्ट्रपति कोविंद से PM मोदी ने की बातचीत, ये मुलाकात किस बात का संकेत?

नई दिल्ली। पंजाब के फिरोजपुर में प्रधानमंत्री के काफिले में सुरक्षा चूक के बाद आज राष्ट्रपति भवन भाकर पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि पीएम ने अपने पंजाब दौरे की पूरी जानकारी उन्हें दी है। इससे पहले पीएम मोदी ने राष्ट्रपति से फोन पर भी बातचीत की थी। कल फिरोजपुर में सुरक्षा पर हुई चूक पर तफ्तीश से पीएम मोदी ने राष्ट्रपति कोविंद को सारी जानकारी दी। इससे पहले उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडु ने पीएम मोदी से बात की है। प्रधानमंत्री के काफिले को रोका गया जो कि एक सिक्योरिटी ब्रीच है। यही वजह है कि राष्ट्रपति से प्रधानमंत्री की मुलाकात हुई है और पूरी जानकारी दी गई है क्योंकि ये वीवीआईपी प्रोटोकॉल का मामला है। इसको लेकर एक बहुत बड़ा खाका तैयार होता है। पूरे देश में इसको माना जाता है। हर राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है कि इसे लागू करे। लेकिन पंजाब सरकार इसमें पूरी तरह से फेल रही है और राष्ट्रपति तक को इसकी जानकारी इसलिए दी जा रही है क्योंकि ये हर वीवीआईपी के लिए एक बहुत बड़े खतरे की घंटी है। खासकर पंजाब जैसे बॉर्डर इलाके पर। चुनावी राज्य पंजाब के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बुधवार को उस वक्त ''गंभीर चूक'' की घटना हुई, जब फिरोजपुर में कुछ प्रदर्शनकारियों ने उस सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया जहां से उन्हें गुजरना था। इस वजह से प्रधानमंत्री एक फ्लाईओवर पर २० मिनट तक फंसे रहे। घटना के बाद प्रधानमंत्री दिल्ली लौट गए। वह ना तो किसी कार्यक्रम में शामिल हुए और ना ही दो साल के बाद राज्य में अपनी पहली रैली को ही संबोधित कर सके। इस घटना पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पंजाब सरकार से इस चूक के लिए एक रिपोर्ट मांगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई को कहा जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे में सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह की लापरवाही पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी।

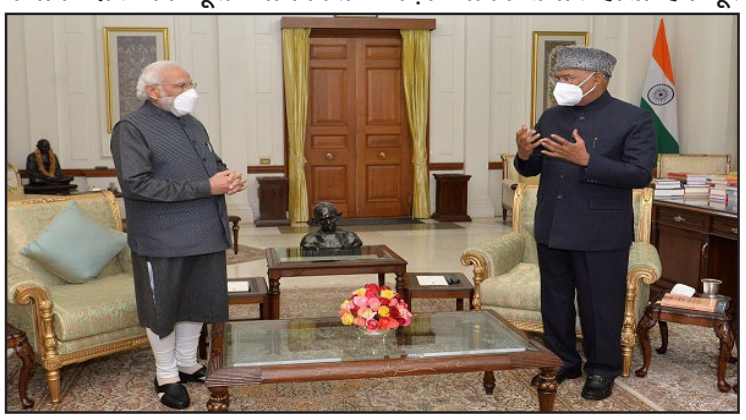

यूपी में चुनावी रैलियों पर कोरोना ने लगाया ब्रेक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दल लगातार अपनी रैलियां कर रहे थे। इन सबके बीच कोरोनावायरस संक्रमण के मामले भी राज्य में लगातार बढ़ रहे है। यही कारण है कि राजनीतिक आलोचनाओं को ध्यान में रखते हुए अब पार्टियां चुनावी रैलियों को लेकर फूंक–फूंक कर कदम रख रही है। भले ही ५ राज्यों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हो लेकिन कहीं ना कहीं राजनीतिक दल कोरोनावायरस को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यक्रमों में बदलाव कर रहे हैं। यही कारण है कि चुनाव प्रचार में भी अब बदलाव देखने को मिल रहे है। कई पार्टियों ने अपनी राजनीति की यात्राएं रद्द कर दी हैं तो कईयों को टाल दिया गया है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राज्य का दौरा कर रहे थे। वह राज्य में अलग–अलग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे थे। साथ ही साथ विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक ६ जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली लखनऊ में होनी थी। हालांकि इसे अब टाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि ८ और ६ जनवरी को बारिश की आशंका जताई जा रही है। लेकिन दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि वास्तव में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए इस रैली को टाला गया है। बरेली में हाल में ही संपन्न हुए कांग्रेस मैराथन में भगदड़ को देखते हुए पार्टी ने फिलहाल अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया है। इसके साथ ही पार्टी की ओर से यह भी कह दिया गया है कि आने वाले ७–८ दिन में फिलहाल इस तरह के मैराथन का आयोजन नहीं किया जाएगा। इसकी वजह कोरोनावायरस के प्रसार को बताया जा रहा है। कांग्रेस की ओर से २ हफ्तों तक उत्तर प्रदेश में चुनावी रैली और कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया गया है। पार्टी अब वर्चुअली लोगों से जुड़ने की कोशिश कर रही है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने है। जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं उनमें पंजाब, मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल है। चुनाव आयोग के सूत्रों की मानें तो कहीं ना कहीं आने वाले दो–तीन दिनों में इन राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। फिलहाल चुनाव आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच लगातार बातचीत चल रही है और कोरोनावायरस लेकर चर्चा की जा रही है। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्रालय चुनाव आयोग को वैक्सीनेशन और महामारी को लेकर सारी जानकारियां दे रहा है। कोरोना महामारी को लेकर चुनाव आयोग सख्त गाइडलाइंस भी जारी कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में १०वीं कक्षा तक के स्कूलों को १६ जनवरी तक बंद करने के निर्देश

लखनऊ। कोविड–१६ के लगातार बढ़ते मामलों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने नए दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया है जिसके तहत दसवीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को १६ जनवरी तक बंद कर दिया गया है। राज्य में बुधवार को कोविड–१६ के २,०३८ नए मामले आए जबकि मंगलवार को ६६२ मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक ५११ नए मामले गौतमबुद्ध नगर जिले आए हैं जबकि लखनऊ में २८८, गाजियाबाद में २५५, मेरठ में ११० और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। हालांकि, राज्य में किसी भी रोगी की मौत नहीं हुई हैं। अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों की उच्चस्तरीय टीम–०६ को निर्देश दिये कि १०वीं कक्षा तक के सभी विद्यालयों में १६ जनवरी तक अवकाश घोषित किया जाए और ११–१२वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों को केवल टीकाकरण के लिए ही विद्यालय बुलाया जाए, टीकाकरण तिथि व अगले दिवस इन बच्चों को अवकाश दिया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने शेष अवधि में ११वीं–१२वीं के विद्यार्थियों की कक्षाएं केवल अ नलाइन माध्यम से संचालित करने को कहा है, आंगनबाड़ी के बच्चों का पोषाहार उनके घर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने का निर्देश दिए हैं और कहा कि इन बच्चों को केंद्र न बुलाया जाए। सहगल ने बताया कि बृहस्पतिवार से कोरोना कर्फ्यू अब रात्रि दस बजे से सुबह छह बजे तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने बताया कि बीते २४ घंटों में एक लाख ६२ हजार ४३० नमूनों की जांच की गई जिनमें २०३८ के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में ५१ मरीज संक्रमणमुक्त हुए। बयान के मुताबिक बुधवार को प्रदेश में कुल उपचाराधीन मरीजों की ५,१५८ रही। उन्होंने बताया कि बदलती परिस्थितियों व्यापक जनहित के दृष्टिगत स्वास्थ्य विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार नया कोविड दिशानिर्देश जारी किया गया है। बयान के मुताबिक जिन जिलों में उपचाराधीन मरीजों की संख्या १,००० से अधिक हो जाएगी, वहां, नयी व्यवस्था लागू होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि उनके सम्बंधित विभाग में किसी सरकारी, अर्धसरकारी, संविदा, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतनध्मानदेय बकाया न रहे, अधीनस्थ कार्मिकों से सतत संवाद करते रहें। उन्होंने बताया कि १८ वर्ष से अधिक आयु के १३ करोड़ से अधिक लोगों को टीके की पहली खुराक लग चुकी है जबकि सात करोड़ ५८ लाख से अधिक लोगों को दोनों खुराक लग चुकी है। बयान के मुताबिकविगत दिवस तक १५ से १८ आयु वर्ग के चार लाख ६० हजार से अधिक किशोरों को टीके की पहली खुराक दी गई है। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि जल्द से जल्द सभी पात्र लोगों का टीकाकरण किया जाए, तथा अधिक से अधिक स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जाएं।

मकर संक्रांति पर दुनिया भर के 75 लाख लोग सूर्य नमस्कार करेंगे : आयुष मंत्री

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि १४ जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर दुनिया भर में ७५ लाख लोग सूर्य नमस्कार करेंगे। आयुष मंत्रालय के एक बयान के अनुसार अन्य मंत्रालय भी इस मुहिम में शामिल होंगे। सोनोवाल ने कहा कि महामारी के कारण प्रतिरक्षा स्तर को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। साथ ही कहा कि उनके मंत्रालय का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जोकि ऐसा योग अभ्यास है जो न केवल शरीर को बल्कि दिमाग को भी मजबूत करने में मदद करता है।

सम्पादकीय

दुनिया की पांच परमाणु शक्तियों का विवेक जागा

दुनिया की पांच परमाणु शक्तियों का विवेक जागा है और उसका स्वागत किया जाना चाहिए। इन पांच देशों ने एक विरला कदम उठाते हुए ऐसा बयान जारी किया है, जिसने बढ़ते तनाव के बीच शांति की उम्मीद को मजबूत किया है। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन ने एक साझा बयान जारी किया। उसमें कहा गया है कि परमाणु युद्ध ना जीता जा सकता है और ना लड़ा जाना चाहिए। साथ ही इसमें कहा गया है– "हम इस बात को पूरी शिद्दत के साथ मानते हैं कि परमाणु हथियारों प्रसार रोका जाना चाहिए।" यह बयान तब जारी हुआ है जबकि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की ताजा समीक्षा को कोविड–१९ के कारण बाद के लिए टाल दिया गया है। यह समीक्षा इसी चार जनवरी को होनी थी। लेकिन सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्यों ने इसे इस साल बाद में करने के का फैसला किया है। एनपीटी १९७० में अस्तित्व में आई थी। उसका मकसद दुनिया में परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना है। लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही है। ये संधि अस्तित्व में आने के बावजूद कम से कम चार और देशों ने परमाणु हथियार बना लिए। ये देश भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया हैं। उन देशों के तर्कों को निराधार नहीं कहा जा सकता। आखिर सिर्फ पांच देशों के पास ऐसे हथियार रहें, इसका क्या न्यायपूर्ण तर्क है?इसलिए असल सवाल यह है कि क्या पांचों महाशक्तियां परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए तैयार हैं? वो ऐसा हो जाएं, तो बात आगे बढ़ सकती है। परमाणु हथियारों का वजूद रहना ही नहीं चाहिए। फिलहाल, इन देशों ने परमाणु युद्ध टालने का संकल्प जताया है, तो वह राहत की बात जरूर है। पांचों ताकतों ने कहा– "परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच युद्ध को टालना और रणनीतिक खतरों को कम करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।" बयान के मुताबिक सभी देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि वे राष्ट्रीय स्तर पर उन उपायों को मजबूत करेंगे, जिनसे परमाणु हथियारों का अनधिंत या अनैच्छिक इस्तेमाल ना हो। बयान में संधि ा की उस धारा पर भी प्रतिबद्धता जताई गई जिसके तहत सभी देश भविष्य में पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए वचनबद्ध हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक १९१ देश इस संधि पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। इस संधि ा का एक प्रावधान कहता है कि हर पांच साल पर इसकी समीक्षा होनी चाहिए। दुनियाकी अपेक्षा यह है कि अगली समीक्षा में प्रमुख निरस्त्रीकरण होना चाहिए।

चुनाव से पूर्व उत्तर प्रदेश को बम के धमकों से दहलाने की आतंकी साजिश रच रखी थी अलकायदा के आतंकियों नें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस की ओर से पिछले दिनों लखनऊ में गिरफ्तार किये गये अलकायदा समर्थित अंसार गजवातुल हिंद आतंकी संगठन के आतंकियों मिनहाज और मसरुद्दीन ने चुनाव से पूर्व उत्तर प्रदेश को बम के ध ामकों से दहलाने की साजिश रच रखी थी। इसका खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में हुआ है। फिलहाल एनआईए ने अलकायदा आतंकी काकोरी निवासी मिनहाज, मड़ियांव निवासी मसरूद्दीन व उन्हें हथियार व विस्फोटक सप्लाई करने वाले तीन सदस्यों लखनऊ के वजीरगंज निवासी शकील, खदरा निवासी मुस्तकीम और ठाकुरगंज लखनऊ के मोहम्मद मोईद समेत कुल पांच के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

एनआईए की जांच में पता चला है कि अलकायदा के अंसार गजवातुल हिंद संगठन से जुड़े मिनहाज को उत्तर प्रदेश में जगह–जगह बम विस्फोट करने के लिए जम्मू–कश्मीर में दो आतंकियों द्वारा अ नलाइन ट्रेनिंग दी गई थी। इसके साथ उसे उत्तर प्रदेश में अलकायदा का नेटवर्क तैयार करने का जिम्मा दिया गया था। इसके तहत ही उसने मड़ियांव निवासी मसरुद्दीन को अलकायदा में शामिल किया था और यूपी में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का जिम्मा दिया था। दोनों ने चुनाव से पूर्व उत्तर प्रदेश में जगह–जगह बम विस्फोट व हत्याएं करने की योजना बनाई थी। इसके लिए लखनऊ के रहने वाले शकील, मुस्तकीम और मो मोईद भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार खरीदे थे। साथ ही विस्फोट करने के लिए कई राजधानी समेत उत्तर प्रदेश के कई शहरों में संवेदनशील जगहों पर जाकर रेकी की थी।

पचास फीसदी क्षमता के साथ खुलेंगे होटल, रेस्टोरेंट और सिनेमा हाल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गुरुवार को गाइडलाइन जारी कर दी। राजधानी में स्वीमिंग पूल, जिम, वाटर पार्क बंद रहेंगे। राजधानी में अब रात १० बजे तक ही बजार खुलेंगे। होटल, रेस्टोरेंट वद सिनेमा हाल भी ५० फीसदी क्षमता के साथ खुलेंगे। जिलाधिकारी ने गुरुवार को इस संबंध में व्यापार मंडल, बैंक्वेट हाल एसोसिएशन, होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन पदाधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें व्यापारियों ने आश्वस्त किया कि जो भी बगैर मास्क के आएगा उसे किसी भी कीमत पर समान नहीं दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने दुकानों, रेस्टोरेंट, होटल, म ल्स, ईटिंग प इंट्स व अन्य प्रतिष्ठानों के मेन गेट पर कोविड हेल्पडेस्क की स्थापना करने के निर्देश दिए। कोविड हेल्पडेस्क में थर्मल स्कैनर, सेनेटाइजर, पल्स ऑक्सिमीटर के साथ आने वाले लोगों का रजिस्टर पर ब्योरा दर्ज कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने धार्मिक स्थलों व संस्थाओं में भी अनिवार्य रूप से कोविड हेल्पडेस्क बनाने और दो गज दूरी का पालन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि शादी व अन्य समारोह में १०० से अधिक व्यक्तियों की अनुमति नहीं होगी। बिना स्कैनिंग और मास्क के समारोह में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। राशन व अन्य दुकानों के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए घेरे बनाकर मार्किंग की जाए। जिलाधिकारी ने कोविड संक्रमण एवं आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मतदान प्रतिशत बढ़ाने और कोविड से बचाव को लेकर 'अबकी बार ७० पार, साथ मे कोरोना की हार' का नारा दिया। बैठक में व्यापारियों को संकल्प दिलाया कि किसी भी दशा में कोरोना को बढ़ने नहीं देंगे। खुद भी मास्क लगाएंगे और दुकान पर आने वाले ग्राहकों, अपने जानने वालों और बच्चों को मास्क लगाने के लिए प्रेरित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि टीकाकरण की दोनों डोज से ही कोरोना को हराया जा सकता है।

स्कूटी सवार महिला को ट्रक ने मारी टक्कर,मौत

लखनऊ। आलमबाग के कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में लगने वाली साप्ताहिक बाजार से खरीददारी कर पति संग स्कूटी पर सवार होकर घर जा रही महिला को मंगलवार की दोपहर एक ट्रक ने पीछे से स्कूटी को टक्कर मार दी और मौके से ट्रक चालक भागने लगा। राहगीरों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेते हुए ट्रक की टक्कर से चोटिल महिला को इलाज के लिए नजदीकी लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ंष्णा नगर कोतवाली प्रभारी आलोक राय ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित कानपुर रोड चुंगी के पास एचपी गैस सिलिंडर की ट्रक नम्बर यूपी ३५ टी ६३७३ ने स्कूटी नम्बर यूपी ३२ एन ०१७३ को पीछे से टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से स्कूटी पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल महिला को लोकबंधु अस्पताल भेज ट्रक चालक को ट्रक सहित कस्टडी में ले लिया गया है। वहीं अस्पताल में डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के पति एजाज अहमद के मुताबिक वह रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं कृष्णा नगर में लगने वाली साप्ताहिक मंगलवार बाजार में अपनी पत्नी रहनुमा ३० व अपनी ५ वर्षीय बेटी खुशी संग खरीदारी करने के बाद अपने घर जा रहा था उस दौरान पुरानी चुंगी कानपुर रोड के पास ट्रक ने उनके स्कूटी में पीछे से टक्कर मारी थी जिससे उसकी पत्नी की मौत हो गई है। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

विधानसभा चुनाव में अब ४० लाख तक खर्च कर सकेंगे उम्मीदवार

लखनऊ। प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार इस बार चुनाव में ४० लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे। अभी तक विध ानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की खर्च सीमा २८ लाख थी। निर्वाचन आयोग ने इसमें १८ लाख रुपये की बढ़ोत्तरी की है। उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान यह नई खर्च सीमा लागू होगी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वीरवार को संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव खर्च की सीमा में इजाफा करने का फैसला किया है। नई सीमा के तहत संसदीय क्षेत्रों में प्रत्याशी ९५ लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे जो इससे पहले ७० लाख रुपये थी।

गांजा व स्मैक पीते एसआई नें खुद को बताया प्राइमरी स्कूल का टीचर वीडियो वायरल, निलंबित

लखनऊ। समाज को नशे से मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध राजधानी पुलिस के एक दारोगा का ऑन ड्यूटी गांजा–स्मैक पीते हुए वीडियो इन दिनों पुलिस महकमे की जमकर फजीहत करा रहा है। वायरल वीडियो में गुडम्बा थाने के वर्दी पहने हुए एसआई हरिद्वार मिश्रा नशे का कारोबार करने वालों के साथ पहले गांजा और इसके बाद स्मैक का धुआं उड़ाते दिख रहे हैं। वीडियो को संज्ञान में लेते हुए डीसीपी उत्तरी लखनऊ ने स्मैकिया दारोगा को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार एसआई हरिद्वार मिश्रा नशे के अड्डे पर कार्रवाई करने की बजाय अवैध वसूली करने पहुंचे हुए थे। इसी दौरान उन्होंने वहां सिगरेट में गांजा भरकर दम लगाना शुरू कर दिया। मन नहीं भरा तो गांजे के बाद स्मैक भी फूंकी। मौका पाकर किसी ने नशे में धुत एसआई हरिद्वार मिश्रा का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि वीडियो कहां व कब का है, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। वायरल वीडियो के तहत गांजे और स्मैक का दम लगाने के बाद नशे में पूरी तरह चूर दरोगा के पास एक वीडियो कॉल आया, जिसमें वे कॉल करने वाले व्यक्ति से कहने लगे कि 'मैं पुलिस नहीं हूं, प्राइमरी स्कूल का टीचर हूं'। दरोगा को इतना भी होश नहीं था कि उसने पुलिस की वर्दी पहन रखी है। वीडियो को संज्ञान में लेते हुए दरोगा हरिद्वार मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के भी आदेश दिये गये हैं। शहर में कहां–कहां नशे का गोरखधंधा चल रहा है, इसकी भी जांच की जा रही है देवेश कुमार पांडेय, डीसीपी उत्तरी।

पट्टा भूमि को फ्रीहोल्ड करने के लिए यूपी सरकार की नई नीति

लखनऊ। पट्टागत (लीजहोल्ड) भूमि को फ्रीहोल्ड करने के लिए राज्य सरकार नए सिरे से नीति तैयार कर रही है। नीति संबंधी सात वर्ष पुराने शासनादेश में दी गई व्यवस्था में बदलाव कर प्रस्ताव तैयार किया गया है। लीजहोल्ड भूमि को फ्रीहोल्ड कराने के लिए सर्किल रेट का २५ प्रतिशत तक प्रस्तावित करते हुए सरकार ने उसे अंतिम रूप देने से पहले सुझाव व आपत्ति मांगी है। कोई भी व्यक्ति १५ दिन में लिखित रूप में अपना अभिमत दे सकता है।दरअसल, वर्तमान में पट्टे की भूमि को फ्रीहोल्ड एवं पुनर्विकास करने के संबंध में राज्य शहरी आवास एवं पर्यावास नीति–२०१४ के तहत १२ दिसंबर २०१४ को तत्कालीन प्रमुख सचिव सदाकान्त की ओर से जारी शासनादेश के तहत ही प्रक्रिया और दर तय है। सात वर्ष पुरानी नीति को व्यावहारिक बनाने के लिए राज्य सरकार उसमें संशोधन करते हुए नए सिरे से प्रस्ताव तैयार किया है। प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन दीपक कुमार ने बताया कि प्रस्ताव विभागीय वेबसाइट **www-awas-up-nic-in** पर अपलोड कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति

१५ दिनों में उस पर अपना अभिमत विभाग को दे सकता है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत नए प्रार्थना पत्र के मामले में लीज पर प्रीमियम धनराशि लेकर आवंटित भूखंड या भवन को चालू पट्टागत भूमि के पट्टेदार या विधिक उत्तराधिकारी के पक्ष में फ्रीहोल्ट करने के लिए सर्किल रेट का १२ प्रतिशत लिया जाएगा। इसी तरह लीज पर आंशिक प्रीमियम एवं लीज रेंट पर या बिना प्रीमियम या लीज रेंट पर आवंटित भूमि–भवन को चालू पट्टागत भूमि के पट्टेदार या उत्तराधिकारी के पक्ष में फ्रीहोल्ड करने के लिए सर्किल रेट का २५ प्रतिशत लिया जाएगा। पट्टे की शर्तों का उल्लंधन न होने की दशा में पहले से लंबित मामलों में भी सर्किल रेट का १२ से २५ प्रतिशत तक देकर फ्रीहोल्ड कराया जा सकेगा। पहले से जमा धनराशि सेविघ्ंग बैंक एकाउंड पर देय ब्याज के साथ समायोजित होगी। फ्रीहोल्ड में सिर्फ स्वामित्व का परिवर्तन होगा। भू–उपयोग में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। सामुदायिक सुविधाओं यानि शैक्षिक आदि के भूखंड फ्रीहोल्ड नहीं होंगे। औद्योगिक इकाईयों को लीज पर आवंटित भूमि को भी प्रदूषण या अन्य संबंधित विभागों की अनापत्ति पर फीहोल्ड कराया जा सकेगा। संबंधित शासनादेश जारी होने की तिथि से एक वर्ष तक फ्रीहोल्ड कराया जा सकेगा।

उत्तर प्रदेश में आप के दर्जन भर नेता होम अमाइसोलेट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जोरदार तैयारी में लगी आम आदमी पार्टी की गति करीब एक हफ्ते तक थम जाएगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक तथा दिल्ली से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी एक दर्जन से अधिक बड़े नेता होम आइसोलेशन में हैं। यह सभी नेता दो जनवरी को लखनऊ में अरविंद केजरीवाल की रैली में शामिल थे।लखनऊ में दो जनवरी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी के चुनावी अभियान का शुभारंभ किया था। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राजधानी के स्मृति उपवन में आयोजित आप की महारैली में उत्तर प्रदेश सरकार तथा समाजवादी पार्टी पर हमला बोला था।अरविंद केजरीवाल के अब कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं में खलबली मच गई है। पार्टी से राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह समेत दर्जन भर नेता होम आइसोलेशन में हैं। आप के यूपी प्रभारी के अलावा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नीलम यादव के साथ अन्य नेता होम आइसोलेशन में हैं। दो जनवरी को राजधानी में आप की रैली में यह सभी नेता मंच पर थे और एयरपोर्ट से लेकर उनकी वापसी के समय भी अरविंद केजरीवाल के संपर्क में आए थे।आम आदमी पार्टी के प्रदेश के करीब सभी शीर्ष नेताओं के होम आइसोलेशन में जाने से उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की अन्य सभी गतिविधियां प्रभावित हैं। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सभी ४०३ सीट पर चुनाव लडने की घोषणा कर रखी है। इतना ही नहीं, पार्टी ने १७०–१८० प्रत्याशियों का नाम भी घोषित कर दिया है। यह सभी लोग अपने–अपने विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय भी हो गए हैं। पार्टी को अभी बाकी की बची सीटों पर भी प्रत्याशियों का चयन करना है।

मां को दिए वचन को पूरा इस कारण मौका पाते ही रोली की हत्या कर दी।

लखनऊ। मलिहाबाद के नजर नगर गांव में बीते शुक्रवार को हुई रोली की हत्या के मामले में आरोपित देवर सौरभ को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सौरभ ने बताया कि मां के विरोध के बाद भी डेढ़ साल पहले भाई मोहित ने गांव में रहने वाली रोली के साथ प्रेम विवाह कर लिया था। इसके कारण बदनामी हुई मां डिप्रेशन में चली गई और उसकी हालत बिगड़ गई थी। सौरभ ने बताया कि उसने मां को वचन दिया था कि घर की बदनामी का यह कलंक वह मिटाकर रहेगा। इसके बाद मां की मौत हो गई थी। मां को दिए वचन को पूरा इस कारण मौका पाते ही रोली की हत्या कर दी। सौरभ ने बताया कि उसे इस बात का कोई पक्षतावा भी नहीं है। यह जानकारी सोमवार को सीओ मलिहाबाद योगेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि आरोपित सौरभ को सरांवा मंडी के पास से पकड़ा गया है। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त एक तमंचे के अलावा कारतूस भी बरामद कर लिया गया है। आरोपित को जेल भेज दिया गया। इंस्पेक्टर नित्यानंद ने बताया कि सौरभ, गौरव और मोहित तीन भाई हैं। मोहित ने जब रोली से शादी की तो उनकी मां देवकी ने विरोध किया था। मां के विरोध के बाद भी मोहित जबरन घर पर रह रहा था। इस दौरान देवकी की ब्रेन हैमरेज से कुछ माह पहले मौत हो गई थी। ध्यान रहे शुक्रवार की रात जब मोहित घर से बाहर किसी काम से गया था। इस बीच सौरभ ने रोली की पीठ में गोली मार दी थी। रोली को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था। जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई थी। रोली का एक पांच माह का बेटा भी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि छह माह पूर्व सौरभ ने सगी बहन रेशू को गोली मार दी थी। रेशू ने भी प्रेम विवाह गांव में ही रहने वाले एक युवक के साथ कर लिया था। प्रेमी के घर में घुसकर बहन को गोली मारी थी। इसमें सौरभ जेल भी गया था।

एक साल बाद भी साजिशकर्ता धनंजय गिरफ्तार नहीं

लखनऊ। मऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अजीत सिंह हत्याकांड के मंगलवार को एक साल पूरे हो रहे हैं। अजीत पर गोलियां बरसाने वाले आरोपित फिलहाल जेल में बंद हैं। वहीं, एक अन्य आरोपित गिरधारी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था, लेकिन अभी तक अजीत की हत्या की साजिश रचने के आरोपित पूर्व सांसद धनंजय सिंह को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है।धनंजय पर लखनऊ पुलिस की ओर से २५ हजार रुपये का इनाम घोषित है। इनाम की घोषणा कर अधिकारी धनंजय को गिरफ्तार करना भूल गए। ऐसा दबाव में हो रहा है या पुलिस की कोई मजबूरी है। ये तो अफसर ही बता सकते हैं, लेकिन धनंजय की सेहत पर कोई फर्क नहीं है। यही कारण है कि आरोपित अपने क्षेत्र में सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिरकत कर रहा है और पुलिस उसकी तलाश करने का दावा कर रही है।

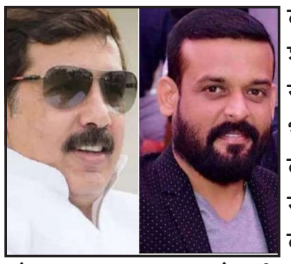

शुरूआत में तो पुलिस ने दिखावे की दबिश भी दी, जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। हाल में ही मामले के विवेचक इंस्पेक्टर चंद्रशेखर सिघ्ंह को कार्यमुक्त कर दिया गया। इंस्पेक्टर विभूतिखंड के प्रभारी निरीक्षक और हत्याकांड के विवेचक भी थे, जिनका कई माह पहले गैर जनपद तबादला हो गया था।

जाली नोट के तस्करों से पुलिस की मुठभेड़

लखनऊ। लखनऊ में जाली नोट के तस्करों को गुडंबा पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस के रोकने पर आरोपितों ने फायरिंग कर दी थी। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक भाग निकला। आरोपितों के पास से ४० हजार के जाली नोट बरामद किए गए हैं। एडीसीपी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर नेवाजपुर गांव के पास पुलिस टीम भेजी गई। अंधेरे में खड़े तीन संदिग्धों को देखकर पुलिस ने उनसे पूछताछ करनी चाही। इसी बीच बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। खुद को बचाते हुए पुलिसकर्मियों ने दो आरोपितों को दबोच लिया, जबकि

एक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पकड़े गए आरोपितों में देवरिया निवासी मंगेश उर्फ मंगेश्वर गिरि और विशाल यादव शामिल हैं। वहीं, देवरिया का ही रोहित यादव फरार है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से ४० हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं। सभी नोट १००–१०० के हैं। गिरफ्तार आरोपित मंगेश के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं और आरोपित पर २५ हजार का इनाम भी घोषित था। देवरिया जिले में मंगेश और विशाल पर चेन लूट के कई मामले दर्ज हैं। लखनऊ पुलिस आरोपितों का आपराधिक इतिहास पता लगा रही है। वहीं, फरार आरोपित रोहित की तलाश में पुलिस टीम कांबिंग कर रही है।

उपजिलाधिकारी ने गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गौतम खेड़ा व जबरौली में मोहनलालगंज उपजिलाधिकारी डॉ शुभी सिंह ने शीतलहर को देखते हुए गौशालाओं का निरीक्षण किया आज दिन मंगलवार को मोहनलालगंज उप जिलाधिकारी ने बढ़ती ठंड को देखते हुए गौतम खेड़ा गौशाला का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान गौ पालको से विस्तृत जानकारी ली एवं शीतलहर को देखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए वही जबरौली गौशाला पहुंचकर भी कर औचक निरीक्षण किया उसके बाद सरकारी नवनिर्मित दुकानों का भी निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान राशन वितरण के बारे में जानकारी ली एवं राशन वितरण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान रास्ते में शीतलहर को देखते हुए बुजुर्गों को कंबल भी दिएग्राम कमालपुर विचलिका में स्थित गौ आश्रय केन्द्र स्थित मोहनलालगंज उप जिलाधिकारी के निर्देशन पर क्षेत्रीय लेखपाल अशोक कुमार मौके पर पहुंचकर व्यवस्था की जानकारी ली एवं ग्राम प्रधान माता प्रसाद की मौजूदगी में ग्राम पंचायत में पड़ी बंजर भूमि चारागाह की जमीन व कुछ जमीनों को सुरक्षित कराया।

राजनाथ बोले- प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक के लिए कांग्रेस को माफ नहीं किया जा सकता

देहरादून। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक का मुद्दा अब गर्म हो गया है। भाजपा लगातार इसके लिए कांग्रेस और पंजाब की सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है। इसी कड़ी में आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पंजाब सरकार पर जमकर हमला बोला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ तौर पर कह दिया कि कांग्रेस को गंभीर चूक के लिए माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनका कार्यालय एक ऐसी संस्था होती है जिसका सभी को सम्मान करना चाहिए। पंजाब की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि हम प्रधानमंत्री जैसे संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते तो देश के लोकतांत्रिक संस्थानों के विघटन को रोकना कठिन होगा। उत्तरकाशी में भाजपा के विजय संकल्प यात्रा के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस सत्ता में है। लेकिन क्या हम ऐसे चुके की कल्पना कर सकते थे जो कि कल प्रधानमंत्री के साथ पंजाब में हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं भी मुख्यमंत्री रह चुका हूं, हमने इस तरह की घटिया राजनीति को कभी भी स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने लोगों से पूछा कि उन्होंने लोगों से पूछा कि पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ जो हुआ उसके लिए क्या कांग्रेस को माफ किया जा सकता है? राजनाथ ने उत्तराखंड के लिए कांग्रेस के प्रचार समिति के प्रमुख हरीश रावत पर हमला किया जिन्होंने कहा था कि मोदी राज्य में ''मार्केटिंग'' के लिए आते रहते हैं। सिंह ने पूछा, "यदि यह सच है, तो आप उस गुफा में ध्यान करने का साहस क्यों नहीं जुटा पाए? हालांकि, सिंह ने रावत का नाम नहीं लिया बल्कि कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री हैं जो फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "मैंने हमारे किसी भी प्रधानमंत्री के विरूद्ध कभी भी निराधार आरोप नहीं लगाए, चाहे वह जवाहरलाल नेहरू हों, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मनमोहन सिंह या देवेगौड़ा हों क्योंकि प्रधानमंत्री कार्यालय एक लोकतांत्रिक संस्था है जिसका सबको सम्मान करना चाहिए।" कांग्रेस के इस आरोप पर कि भाजपा ने उत्तराखंड में दो मुख्यमंत्रियों को बदल दिया है, सिंह ने कहा कि पार्टी के सभी मुख्यमंत्रियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, "अगर हम किसी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार पेश करके चुनाव लड़े होते, तो हम उसे नहीं बदलते। पार्टी ने चुनाव लड़ा और जिसे भी उसने मुख्यमंत्री के पद के उपयुक्त समझा उसे मुख्यमंत्री बनाया। यह पार्टी का आंतरिक मामला है।"

खुली पंजाब सरकार के दावों की पोल,एडीजीपी लॉ एंड अ र्डर ने जारी किया था पुलिस को अलर्ट

नई दिल्ली। खेती कानून रद्द होने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री पंजाब दौरे पर पहुंचे तो किसानों प्रदर्शन में उनका काफिला फंस गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसे सुरक्षा में चूक बताया है और पंजाब सरकार से रिपोर्ट तलब की है। वहीं पीएम मोदी ने इस मामले पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात की है और उन्हें सुरक्षा पर हुई चूक पर तफ्तीश से जानकारी दी है। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। पंजाब के एडीजीपी की चिट्ठी से बड़ा खुलासा हुआ है और पंजाब सरकार के दावों की पोल खुल गई है। एडीजीपी लॉ ऑर्डर की ओर से जारी ऑर्डर में कहा गया था कि पीएम मोदी की ५ जनवरी को फिरोजपुर में रैली होनी है। ऐसे में फिरोजपुर में पब्लिक ट्रैफिक और बड़ी संख्या में वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा। ऐसे में सुरक्षा के सभी इंतजाम किए जाएं। एडीजीपी ने पंजाब को लिखे पत्र में ये भी कहा गया था कि पांच तारीख को बारिश के अनुमान के साथ किसानों का धरना है। इसलिए सुरक्षा के खास इंतजाम किए जाने चाहिए। किसी धरने या रोड ब्ल केज की स्थिति में जरूरी अरेंजमेंट पहले किया जाए। एसएसपी खुद जाकर रूट का मुआयना करें। चुनावी राज्य पंजाब के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बुधवार को उस वक्त ''गंभीर चूक'' की घटना हुई, जब फिरोजपुर में कुछ प्रदर्शनकारियों ने उस सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया जहां से उन्हें गुजरना था। इस वजह से प्रधानमंत्री एक फ्लाईओवर पर २० मिनट तक फंसे रहे।

अखिलेश पर ओवैसी ने ली चुटकी, कहा- मुस्लिम मेरे सपने में आ रहे हैं, कह रहे हैं कि वह सपा को वोट नहीं देंगे

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दंगल जारी है। नेता एक–दूसरे पर जमकर आरोप लगा रहे हैं। इसी कड़ी में अखिलेश यादव ने दावा किया था कि भगवान श्रींष्ण उनके सपने में आए थे और कहा था कि राज्य में निश्चित तौर पर सपा की सरकार बनेगी। इसी को लेकर अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव पर चुटकी लेते हुए ओवैसी ने कहा कि जब भगवान ने खुद ही आकर अखिलेश से कह दिया कि वह सीएम बनने वाले हैं तो फिर चुनाव लड़ने की क्या जरूरत है? अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे ही कह दो कि भगवान से मैंने कहा था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दीजिए। ओवैसी ने यह भी कहा कि भाजपा श्री राम को सपने में देखती है, अखिलेश यादव श्री कृष्ण को सपने में देखते हैं। इसके साथ ही उन्होंने ही कहा कि अब उनके सपने में मुजफ्फरनगर के मुसलमान आने लगे हैं और कह रहे हैं कि वह समाजवादी पार्टी को वोट नहीं देंगे।

इसके साथ ही ओवैसी ने यह भी दावा किया कि मुसलमान उनसे यह भी कह रहे हैं कि कोई तो उनके हक की आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि जब एआईएमआईएम के विधायक विधानसभा चुनाव जीतकर लखनऊ पहुंचेंगे तो वहां की दीवारों पर अंबेडकर जिंदाबाद के नारे को बुलंद करेंगे। समाजवादी पार्टी और बसपा पर हमला जारी रखते हुए ओवैसी ने कहा कि उन्हें वोट कटवा कहा जाता है। लेकिन मैं लोगों से पूछना चाहता हूं कि अगर मैं वोट कटवा होता तो सपा–बसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बावजूद भी केवल १५ ही सांसद बन पाते? अगर मुसलमानों के वोट एक साथ सपा–बसपा को पड़ते तो क्या १५ सांसद ही जीतते? उन्होंने दावा किया कि मुझे पता है कि मुसलमान सपा–बसपा से खुश नहीं हैं। इस बार वह एआईएमआईएम को जिताएंगे। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश चुनाव को देखते हुए असदुद्दीन ओवैसी लगातार राज्य में पूरा दमखम लगा रहे हैं। वह चुनावी मैदान में पूरी तरीके से उतरने की तैयारी में हैं।

बीकेयू-क्रांतिकारी नेता ने PM मोदी का मार्ग अवरुद्ध करने वालों को कहा धन्यवाद, बोले- आप लोग तारीफ के पात्र हैं

नयी दिल्ली। पंजाब दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बुधवार को चूक का मामला सामने आया है। जिसको लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने सामने हैं। हालांकि, इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जिसको लेकर मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है, जो तीन दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन–क्रांतिकारी (बीकेयू– क्रांतिकारी) के नेता सुरजीत सिंह फूल का बड़ा बयान सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से बीकेयू नेताओं ने मोगा–फिरोजाबाद सड़क को अवरुद्ध किया, जो हमारी तारीफ के पात्र हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक बीकेयू– क्रांतिकारी के नेता सुरजीत सिंह फूल ने कहा कि जिस तरह से बीकेयू नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की रैली के पास मोगा–फिरोजपुर सड़क मार्ग को अवरुद्ध किया और भाजपा नेताओं को खस्ताहाल सड़क पर यात्रा करवाई, वो हमारी तारीफ के पात्र हैं। मैं उन तमाम लोगों को धन्यवाद देता हूं। पंजाब दौरे पर

गए प्रधानमंत्री मोदी के सड़क मार्ग को बुधवार को कुछ प्रदर्शनकारियों ने अवरुद्ध कर दिया, जहां से उन्हें गुजरना था। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के काफिले को करीब २० मिनट तक एक फ्लाईओवर में रुकना पड़ा। जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने वापस बठिंडा लौटने का निर्णय किया। बठिडा हवाईअड्डे के अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे पर लौटने पर प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के अधिकारियों से कहा, अपने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहना कि मैं बठिंडा हवाई अड्डे तक जिंदा लौट पाया। मुख्यमंत्री चन्नी ने प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा चूक मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। जिसको लेकर भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम पंजाब सरकार द्वारा गठित की गई कमेटी को खारिज करते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा गठित की गई कमेटी कुछ भी पता नहीं लगा पाएगी क्योंकि वह खुद इस साजिश के सरगना हैं। पंजाब भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की। जिसके बाद अश्विनी शर्मा ने बताया कि कल प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा के साथ जिस तरह से खिलवाड़ हुआ उसके लिए पार्टी ने राज्यपाल के समक्ष अपनी चिंता प्रकट की है। हमने राज्यपाल से मांग की है कि गृह मंत्री और डीजीपी को तुरंत बर्खास्त किया जाए।

'बुली बाई' मामले का मुख्य साजिशकर्ता असम से गिरफ्तार, २० साल के बीटेक छात्र ने बनाया था ऐप

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गुरुवार को 'बुली बाई ऐप मामले के मुख्य साजिशकर्ता को असम से गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक असम के जोरहाटी का रहने वाला २० साल का नीरज बिश्नोई ने श्बुली बाईश ऐप को बनाया था। जिसे दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की आईएफएसओ टीम ने गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, डीसीपी (आईएफएसओ) के.पी.एस. मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की आईएफएसओ टीम ने असम से नीरज बिश्नोई को गिरफ्तार किया है, जो बुली बाई ऐप का मुख्य साजिशकर्ता, क्रिएटर और मुख्य ट्विटर अकाउंट होल्डर भी है। फिलहाल उसे दिल्ली लाया जा रहा है। आपको बता दें कि २० साल का नीरज बिश्नोई मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से बीटेक कर रहा है। मुंबई पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने बुधवार को बताया था कि बुली बाई ऐप मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया था कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो उत्तराखंड के हैं और इस मामले में कुछ और लोगों के शामिल होने की आशंका है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस मामले में कोई साजिश रची गई थी। उन्होंने बताया था कि मामले की जांच जारी है और अगर कोई भी व्यक्ति अपराध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल पाया जाता है तो उसे गिरफ्तार किया जाएगा। 'बुली बाई' ऐप को गिटहब पर तैयार किया गया है। इस ऐप में 'नीलामी' के लिए मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें अपलोड की थीं। जिसमें कई सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और अन्य महिलाओं की तस्वीरें शामिल थीं। फिलहाल मुंबई और दिल्ली की पुलिस इस मामले की जांच कर रही हैं और अब तक कुल ४ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

पंजाब सरकार ने प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा में चूक की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति बनाई

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर जाते समय सुरक्षा में हुई ''चूक'' की जांच के लिए बृहस्पतिवार को दो सदस्यों वाली उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मेहताब सिंह गिल और प्रधान सचिव (गृह मामले और न्याय) अनुराग वर्मा शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा, ''प्रधानमंत्री के कल फिरोजपुर जाते समय सुरक्षा में हुई चूक की गहन जांच के लिए पंजाब सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।'' प्रवक्ता ने कहा कि समिति तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। पंजाब के दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में बुधवार को उस वक्त ''गंभीर चूक'' की घटना हुई जब

कुछ प्रदर्शनकारियों ने उस सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया जहां से उन्हें गुजरना था। प्रधानमंत्री इस व्यवधान के कारण एक फ्लाईओवर पर १५–२० मिनट तक फंसे रहे। इसके बाद प्रधानमंत्री रैली सहित किसी भी कार्यक्रम में शामिल हुए बिना पंजाब से दिल्ली लौट गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस घटना को प्रधानमंत्री की सुरक्षा में 'बड़ी चूक' करार दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान सुरक्षा प्रक्रिया में इस तरह की लापरवाही पूरी तरह से अस्वीकार्य है और जवाबदेही तय की जाएगी। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इस बात से इनकार किया कि कोई सुरक्षा चूक हुई या इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जांच के लिए तैयार है।

उच्चतम न्यायालय पहुंचा प्ड की सुरक्षा चूक का मामला, 7 जनवरी को हो सकती है मामले की सुनवाई

चंडीगढ़। पंजाब के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला उच्चतम न्यायालय तक जा पहुंचा है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सड़क मार्ग को बुधवार को कुछ प्रदर्शनकारियों ने अवरुद्ध कर दिया था, जहां से उन्हें गुजरना था। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के काफिले को करीब २० मिनट तक एक फ्लाईओवर में रुकना पड़ा और फिर उन्होंने वापस बठध्डिा लौटने का निर्णय किया। फिलहाल यह मामला उच्चतम न्यायालय पहुंच गया है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक का मामला मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की बेंच के सामने रखा गया है। माना जा रहा है कि कल (७ जनवरी) इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। याचिकाकर्ता ने याचिका में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने याचिकाकर्ता से केंद्र और पंजाब सरकार को याचिका की एक प्रति देने के लिए कहा है। पंजाब की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। इस समिति में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मेहताब सिंह गिल, प्रमुख सचिव और न्यायमूर्ति अनुराग वर्मा शामिल होंगे, जो ३ दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने बताया कि भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिलकर आया है। कल प्रधानमंत्री मोदी के पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा के साथ जिस तरह से खिलवाड़ हुआ उसके लिए पार्टी ने अपनी चिंता प्रकट की है। हमने राज्यपाल से मांग की है कि गृह मंत्री और डीजीपी को तुरंत बर्खास्त किया जाए।

देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के एक दिन में सर्वाधिक ४६५ नए मामले

नयी दिल्ली। भारत में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के एक दिन में सर्वाधिक ४६५ नए मामले सामने आए, जिससे इस स्वरूप से संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर २,६३० हो गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकडों में यह जानकारी दी गयी। ओमीक्रोन स्वरूप के कुल मामलों में से महाराष्ट्र में सबसे अधिक ७६७ मामले सामने आए, इसके बाद दिल्ली में ४६५, राजस्थान में २३६, केरल में २३४, कर्नाटक में २२६, गुजरात में २०४ और तमिलनाडु में १२१ मामले सामने आए। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में कोविड–१६ के ६०,६२८ नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३,५१,०६,२८६ हो गई है। करीब दो सौ दिन बाद सामने आए ये सर्वाधिक मामले हैं। इससे पहले, पिछले वर्ष १० जून को संक्रमण के ६१,७०२ मामले सामने आए थे। मंत्रालय ने बताया कि देश में ३२५ और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ४,८२,८७६हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या २,८५,४०१ हो गयी है,जो संक्रमण के कुल मामलों का ०.८१ प्रतिशत है। उपचाराधीन मरीजों की संख्या में एक दिन में ७१,३६७ की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड–१६ से ठीक होने की राष्ट्रीय दर घटकर ६७.८१ प्रतिशत हो गयी है। दैनिक संक्रमण दर ६.४३ प्रतिशत वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर ३.४७ प्रतिशत है। संक्रमणमुक्त हुए लोगों की संख्या बढ़कर३,४३,४१,००६ हो गयी है। देश में अभी तक संक्रमण रोधी टीके की १४८.६७ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त को ३० लाख और पांच सितंबर को ४० लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर को ५० लाख, २८ सितंबर को ६० लाख, ११ अक्टूबर को ७० लाख, २६ अक्टूबर को ८० लाख और २० नवंबर को ६० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और २३ जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में संक्रमण से मौत के जो ३२५ नए मामले सामने आए हैं, उनमें से २५८ मामले केरल से और १७ मामले पश्चिम बंगाल से हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक कुल ४,८२,८७६ लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के १,४१,५८१ लोग ,केरल के ४८,८६५ लोग, कर्नाटक के ३८,३५७ लोग, तमिलनाडु के ३६,८१४ लोग , दिल्ली के २५,१२१ लोग , उत्तर प्रदेश के २२,६१६ लोग और पश्चिम बंगाल के १६,८२७ लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से ७० प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में चूक राहुल गांधी की साजिश : भाजपा सांसद

बलिया (उत्तर प्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवींद्र कुशवाहा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे पर उनकी सुरक्षा में हुई चूक मामले को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की साजिश करार दिया और कहा कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस नेता को दाखिल नहीं होने दिया जाएगा। सलेमपुर सीट से भाजपा सांसद कुशवाहा ने बुधवार रात जिले के बिल्थरारोड क्षेत्र में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, पंजाब में कल जो हुआ उसके सूत्रधार राहुल गांधी हैं। पंजाब में कांग्रेस की सरकार है तो हमारे प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार हुआ। उत्तर प्रदेश समेत देश के १८ राज्यों में भाजपा की सरकार है। अब हम इनमें से किसी भी राज्य में राहुल गांधी को प्रवेश नहीं करने देंगे।'' उन्होंने कहा कि इस मामले पर कांग्रेस नेता बयान देकर जिस तरह से आंदोलनकारियों को सही ठहरा रहे हैं वह निंदनीय है। गौरतलब है कि बुधवार को पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला जब हुसैनीवाला क्षेत्र में एक फ्लाईओवर पर पहुंचा तभी कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया। प्रधानमंत्री कुछ देर तक वहीं फंसे रहे जिसके बाद उनके काफिले ने वापस लौटने का निर्णय किया। इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में एक बड़ी चूक के तौर पर देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

पश्चिमी यूपी में हुई बारिश से बढ़ा सर्दी का प्रकोप

मेरठ। पक्षिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बुधवार को मौसम का मिजाज बदला नजर आया। मौसम विभाग के पूर्व अनुमान के तहत बुधवार दिन से शुरू हुई बारिश देर रात तक लगातार जारी है। सूरज दिन भर दिखाई नहीं दिया। वहीं दिन का तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा। मेरठ, आगरा, समेत पूरे पश्चिमी यूपी में सर्दी बढ़ गई है। विशेषज्ञों ने नौ तारीख तक बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने ६ जनवरी के लिए भी वेस्ट यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, नोएडा, हापुड़, बुलंदशहर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद में भी बारिश की संभावना जताई है। ५ जनवरी को दिन और रात में बूंदाबांदी रही। यह बूंदा–बांदी ६ जनवरी तक रुक–रुक कर होती रहेगी। आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ क्षेत्रों में ओले भी पड़ सकते हैं। मौसम विभाग ने अगले ४ दिन यूपी में बारिश की संभावना जताई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदला है। मेरठ में ठंड में लगातार बारिश ने जनपदवासियों की कंपकंपी छुड़ाए रखी। बुधवार को पूरे दिन बूंदाबांदी होती रही जो रात में तेज हो गई। अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री कम १५.४ डिग्री दर्ज किया गया। आने वाले तीन–चार दिनों तक बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। बुधवार को शाम सात बजे तक पांच मिलीमीटर बारिश हो चुकी थी। मेरठ ही नहीं, आसपास के जिलों में भी बारिश होने से सामान्न्य जनजीवन प्रभावित रहा। वहीं गुरुवार की सुबह सर्द हवाओं के बीच निकली हल्की धूप ने कुछ सुकून पहुंचाया। हालांकि आज भी बारिश होने के संकेत हैं। मेरठ का अधिकतम तापमान २३.३ डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान ०७.० डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक ड . यूपी शाही ने बताया कि मेरठ में ५ से ६ जनवरी तक प्रतिदिन बारिश की संभावना है।

शराब के नशे में सिपाही ने बच्चे का किया अपहरण, पुलिसकर्मी निलंबित

शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश)। शाहजहांपुर जिले में तैनात एक सिपाही को एक बच्चे के अपहरण की कोशिश के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। थाना सदर बाजार के मोहल्ला जलाल नगर निवासी मोहम्मद जावेद ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनका चार वर्ष का बेटा गत तीन जनवरी को घर के बाहर खेल रहा था, तभी वहां से गुजर रहे सिपाही मुकेश कुमार ने बच्चे को उठाकर ले जाने की कोशिश की,लेकिन स्थानीय लोगों ने सिपाही से बच्चे को छीन लिया। उन्होंने बताया कि यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसके बाद सदर बाजार थाने में सिपाही के विरुद्ध शिकायत की गयी।इसी दौरान घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें सिपाही बच्चे को उठाकर ले जाता दिखाई दे रहा है। पुलिस अधीक्षक (नगर) संजय कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना कावीडियो वायरल हुआ है और उसके बाद सिपाही मुकेश कुमार को प्रथम ष्टया दोषी पाए जाने पर निलंबित कर दिया गया है। पूरे मामले की जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) श्रवण कुमार को सौंपी गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी कुमार ने बताया कि सिपाही ने अपहरण नहीं किया है लेकिन घटना के वक्त वह शराब के नशे में था और चिकित्सकीय परीक्षण में भी शराब पीने की पुष्टि हुई है। हालांकि बच्चे के पिता जावेद ने कहा कि वह पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। वह सिपाही के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पूरे मामले की जांच कराने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस चौपाल लगाकर सुनी गई फरियादियों की समस्याएं

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा थाने की कार्यप्रणाली सुधारने, जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण, अपराध नियंत्रण, कम्यूनिटी पुलिसिंग को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारी अलग–अलग गाँव में जाकर ये चौपाल आयोजित करेंगे का निर्देश दिया गया। एसएसपी गोरखपुर ने कहा कि इस चौपाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों व शांति– व्यवस्था को ष्टिगत रखते हुये गाँव का चयन किया जायेगा । इस चौपाल में उन गाँवों को प्राथमिकता दी जायेगी जिसमें बड़ी आबादी के गाँव, जहाँ विवाद अधिक हों व कानून– व्यवस्था सम्बन्धी समस्याएं ज्यादा हों एवं जहाँ पार्टीबन्दी अधिक हो या पूर्व के चुनाव (लोकसभा/विधानसभा/ पंचायत चुनाव) में हिंसा व मारपीट हुई हो या चुनाव से सम्बन्धित अन्य घटनायें हुई हों। पुलिस चौपाल लगाए जाने के आदेश के क्रम में विभिन्न थानों पर चौकीदारों व पुलिस कर्मियों से सीधा संवाद किया गया, तथा थानाक्षेत्र का भ्रमण कर थाने की कार्यप्रणाली को और भी बेहतर बनाने की दिशा में आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किये गए । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा चलाए जा रहे अभियान 'पुलिस चौपाल' के तहत गोरखनाथ थाना क्षेत्र के दिग्विजय नगर क लोनी में सीओ रत्नेश सिंह की अगुवाई में जनसमस्याओं का निस्तारण किया गया। सीओ गोरखनाथ रत्नेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक फरियादियों की समस्याओं को सुनना और समय पर उन्हें पूरा करना गोरखपुर के पुलिस चौपाल की प्राथमिकता है। कुल ३३ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा १४ प्रार्थना पत्रों का त्वरित निष्तारण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा १९ प्रकरणों में जांच के आदेश दिए गए । क्षेत्र से सम्बन्धित उच्च (बीट पुलिस आफिसर) के साथ मीटिंग की गयी एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा चौकी सरहरी पर बैरक, मेस, कार्यालय आदि का भ्रमण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया । साथ में प्रतिनिधियों के साथ चौपाल क्षेत्र में पड़ने वाले पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया गया तथा क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर संभ्रांत व्यक्तियों से मुलाकात किया गया और क्षेत्र में विगत वर्षों में संपन्न चुनाव के संबंध में जानकारी ली । इसी क्रम में अब तक पुलिस चौपाल में जनपद के कुल ४५ गांवो में कुल १६२ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिनमें से कुल ६७ प्रकरणों का निस्तारण करते हुए २५ प्रकरण में निरोधात्मक कार्यवाही तथा ३३ प्रकरणों में जांच हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिया गया।

लखनऊ डीएम ने निजी अस्पतालों को दिए सख्त निर्देश

लखनऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश द्वारा कोविड १६ की प्रभावी रोकथाम के लिए शहर के शासकीय व निजी हॉस्पिटलों के पदाधिकारियों और सम्बंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत

की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि आप सभी के सहयोग से कोविड की पिछली वेव में बहुत अच्छा काम हुआ है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। इसके लिए हमें अपने आप को सुरक्षित रखते हुए लोगो का उपचार करना है और उनकी जान बचानी है। सभी हॉस्पिटल कोशिश करें कि किसी भी दशा में मेडिकल इंफेक्शन न फैलने पाए। कड़ाई से कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी हॉस्पिटलों को निर्देश दिए गए कि सभी हॉस्पिटलों में फ्लू क्लिनिक की व्यवस्था को पुनः शुरू किया जाए और बढ़ते हुए संक्रमण के दृष्टिगत सभी हॉस्पिटल कोविड वार्ड के बेड व भ्ट की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। बैठक में आए समस्त शासकीय अस्पतालों द्वारा बताया गया कि आगामी २–४ दिनों में अपने कोविड वार्ड तैयार कर लेंगे और १० – ११ जनवरी तक निजी हॉस्पिटल अपने कोविड वार्ड शुरू कर देंगे। जिलाधिकारी द्वारा समस्त ह स्पिटलों को निर्देश दिया गया कि वह अपने अपने हॉस्पिटलों के कंट्रोल रूम को ICCC से लिंक करना सुनिश्चित करें। साथ ही निर्देश दिया कि जिन ह स्पिटलों में अभी भी CCTV नही लगे है वह तत्काल CCTV लगवा कर उसको ICCC से लिंक करना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी द्वारा समस्त निजी हॉस्पिटलों को निर्देश दिया गया कि सभी हास्पिटल एक एक ALS कोविड एम्बुलेंस की व्यवस्था करना सुनिश्चित कराए। सभी हॉस्पिटलों को एक एक ?ै कोविड एम्बुलेंस रखना अनिवार्य होगा। बैठक में सहारा, मेदांता, चन्दन आदि हॉस्पिटल द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि आगामी २ दिनों के भीतर उनके कोविड वार्ड शुरू हो जाएंगे। सभी व्यवस्थाए पूरी हो चुकी है, अगले २ दिनों में कोविड रोगियों को भर्ती करना शुरू कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा समस्त निजी हॉस्पिटलों से अनुरोध किया गया कि उच्च उपचार के द्वारा इस महामारी को रोकने और जनहानि को कम करने में सहयोग प्रदान करे। साथ ही निर्देश दिया कि किसी भी दशा में कोविड रोगियों से किसी भी प्रकार की ओवरचार्जिंग न की जाए। अन्यथा शिकायत मिलने पर एपेडेमिक एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निर्देश दिया कि कोविड रोगियों के परिजनों को प्रतिदिन कॉल कराकर या वीडियो कॉल के माध्यम से दिन में एक बार बात कराना सुनिश्चित किया जाए। मेडिकल एक्सपर्ट ने बताया कि इस बार इस संक्रमण के सिम्स्टम काफी माइल्ड है। जिसके लिए पैनिक करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ज्यादातर रोगी समान्य उपचार के द्वारा ठीक हो रहे है।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी पांडेय, एडिशनल सीएमओ एमके सिंह, अपर जिलाधिकारी पूर्वी केपी सिंह, अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती, मेयो हॉस्पिटल, चन्दन हॉस्पिटल, सहारा हॉस्पिटल, अपोलो हॉस्पिटल, जगरानी हॉस्पिटल, एरा मेडिकल कालेज, इंटीग्रल मेडीकल कालेज, टीएसएम, एसजीपीजीआई, केजी एमयू, लोकबंधु, आरएमएल एवं मेदान्ता हास्पिटल के पदाधिकारी व अन्य विभागीय अधिकारिगण उपस्थित रहे।

पहली बार १८–१६ आयु वर्ग के १४.६६ लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में पहली बार १८–१६ आयु वर्ग के १४.६६ लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय शुक्ला ने बुधवार को यहां अंतिम मतदाता सूची जारी करते हुए कहा कि मतदाता सूची के संशोधन के दौरान कुल ५२,८०,८८२ मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं, जिनमें २३,६२,२५८ पुरुष, २८,८६,६८८ महिलाएं और १,६३६ तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। एक सरकारी बयान के अनुसार उन्होंने बताया कि १८–१६ आयु वर्ग के कुल १४,६६,४७० मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं जो कुल जोड़े गए नामों का २७.७६ प्रतिशतहै। वर्तमान में मतदाता सूची में १८–१६ आयु वर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या १६,८६,६०२ है। जिनमें से १०,६२,४१० पुरुष, ६,२६,६४५ महिलाएं और ५४७ ट्रांसजेंडर हैं। इस पुनरीक्षण अवधि के दौरान विभिन्न श्रेणियों के कुल २१,४०,२७८ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, जिनमें से १०,००,०५० मृत श्रेणी में, ३,३२,६०५ स्थानांतरित श्रेणी में और ७,६४,०२६ बार–बार आने वाले नामों की श्रेणी में है राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या पिछले साल की सूची में१४,७१,४३,२६८ थी जो बुधवार को प्रकाशित अंतिम सूची में बढ़कर १५,०२,८४,००५ हो गई है। इसके मुताबिक प्रदेश में १०,६४,२६६ दिव्यांग मतदाता हैं जबकि ८० वर्ष से अधिक आयु के २४,०३,२६६ मतदाता हैं।

शुक्रवार से होने वाली 'समाजवादी विजय रथ' यात्रा स्थगित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की शुक्रवार सेशुरू होने वाली गोंडा और अयोध्या की 'विजय रथयात्रा' अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है। समाजवादी पार्टी के सूत्रों ने बुधवार की रात बताया, समाजवादी

पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सात, आठ और नौ जनवरी को गोंडा और अयोध्या में होने वाली विजय रथ यात्रा स्थगित कर दी गयी है। यात्रा की नयी तारीखों की घोषणा जल्द की जायेगी। गौरतलब हैं कि अखिलेश यादव पिछले कई महीनों से 'समाजवादी विजय रथ' के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों की यात्रा कर रहे हैं।

कार का तोड़ा शीशा, लैपटॉप और टैबलेट फोन ले गए टप्पेबाज

लखनऊ। लखनऊ में पीजीआइ थाना क्षेत्र में पिछले एक माह में आधा दर्जन से भी अधिक लूट और टप्पेबाजी की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस इन पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। वहीं लुटेरे एक के बाद एक घटना करते जा रहे हैं। ताजा मामले में टप्पेबाजों ने मंगलवार की शाम को एल्डिको पुलिस चौकी के पास खड़ी कार का शीशा तोड़ डाला। टप्पेबाजों ने कार से मेडिकल व्यापरी का लैपटॉप व टैबलेट फोन लेकर चंपत हो गए।पीड़ित अविनाश सिंह निवासी वृंदावन कालोनी ने बताया कि शाम पांच बजे जैसे ही एल्डिको चौकी पहुंचा। मेरी कार को आता देख एक युवक ने कहा कि आप की उसमें से आयल गिर रहा है। मैंने कुछ देर उसकी बात को संज्ञान नहीं लिया। फिर चौकी के पीछे कार को खड़ी करके सामने बारबर की दुकान में गया। वहां भीड़ होने के चलते तुरंत वापस लौटा तो देखा कि मेरी कार के पीछे के दरवाजे का शीशा टूटा था। उसमें रखा बैग गायब था। बैग में लैपटॉप व टैबलेट रखा था। इसकी सूचना तुरंत एल्डिको में बैठे दारोगा को दी।

पुलिस ने बिजली चोरी में एक वारंटी को किया गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने बिजली चोरी के अभियोग में एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक कप्तान सिंह मय पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत शांति व्यवस्था हेतु मौजूद थे तभी सूचना मिली कि बिजली चोरी के मामले में एन बी डब्ल्यू वारंटी घर पर मौजूद है सूचना मिलते ही मोहन लालगंज पुलिस मौके पर पहुंचकर बिजली चोरी के अभियोग में एनबीडब्ल्यू वारंटी आरोपी पप्पू विश्वकर्मा निवासी ग्राम गोपाल खेड़ा मजरा पुरसैनी को गिरफ्तार कर लिया अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर वर्ष २०१७ में बिजली चोरी संबंधी एक अभियोग पंजीत किया गया था जिसको मंगलवार को सूचना मिलने पर उसके घर से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज कोतवाली लेकर आई आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

अद्भुत विवाह : पकड़ुआ विवाह

अमरेन्द्र सहाय अमर

विवाह एक पवित्र बंधन है . हिन्दू विवाह पद्धति में पति पत्नी एक दूसरेका जन्म जन्मान्तर तक साथ देने का वचन लेते और देते है. बिहार में एक अजीब विवाह पद्धति प्रचलित है. यह है पकड़ुआ विवाह,पकड़ुआ बियाह में शादी योग्य लड़के का अपहरण करके उसकी जबरन शादी करवाई जाती है.इस विवाह की शुरुआत कहां से हुई इसकी कोई पुख्ता जानकारी तो नहीं है, लेकिन माना जाता है कि दूल्हे को अगवा कर उसकी शादी रचाने का चलन बेगूसराय जिले से शुरू हुआ था. बेगूसराय से सटे पटना जिले के हिस्से मोकामा, पंडारख, बाढ़, बख्तियारपुर जैसे इलाके में एक समय इसका खूब प्रचालन था. पकड़ुआ बियाह में गांव या परिवार के दबंग लोग इलाके के किसी पढ़े–लिखे और धन–संपदा से संपन्न शादी योग्य युवक का अपहरण कर लेते हैं. इसके बाद जबरन उसकी शादी किसी लड़की से करा दी जाती है. विरोध करने पर युवक की पिटाई भी की जाती है. कई बार हथियार वगैरह दिखाकर युवक को डराया धमकाया भी जाता है. इतना ही नहीं, शादी कराने वाले दबंग दूल्हे और उसके परिजनों को इतना डरा धमका देते हैं कि वह मजबूरी और भयवश जबरिया विवाह को स्वीकार कर लेते हैं. आमतौर पर दबंग लोगपहला बच्चा होने तक दूल्हा और उसके परिजनों पर नजर रखते हैं.१६७० से १६६० के दशक में किसी युवक की अगर अच्छी नौकरी लगती तो घर वाले सबसे पहले उसका घर से निकलना बंद कर देते थे. नौकरी लगने वाली बात काफी गुप्त रखा जाता. नौकरीपेशा लड़के को अकेले घर से निकलने नहीं दिया जाता, डर होता कि कहीं उसका पकड़ुआ बियाह ना करा दिया जाए.१६७० के दशक में बेगूसराय के मटिहानी एरिया में सबसे ज्यादा इस प्रकार की शादी का रिवाज था. पकड़ुआ बियाह की शुरुआत की मुख्य वजह दहेज प्रथा को माना जाता है. लेकिन इसे बारीकी से समझेंगे तो पता चलता है कि पकड़ुआ बियाह की शुरुआत के पीछे कई और वजहें हैं. दरअसल, ७०–८० के दशक में बिहार में शिक्षा और जागरुकता के अभाव में जन्मदर काफी अधिक रहा. इससे उन परिवारों ने भी ज्यादा बच्चे कर लिए जिनकी आर्थिक स्थित उतनी बेहतर नहीं थी. इसके साथ ही बिहार के समाज में उच्च जाति के लोगों में स्टेटस दिखाने का चलन शुरू से हो गया था.. इस स्थिति में अगर किसी परिवार में चार बेटियां हैं, लेकिन उसके पिता की इतनी हैसियत नहीं है वह मोटा दहेज देकर अच्छे परिवार में उनकी शादी करा पाए, तो ऐसे में वह अपनी बेटी की शादी पढ़े–लिखे और धन–संपदा से योग्य दूल्हे से कराने के लिए पकड़ुआ बियाह जैसे विकल्प को तलाशते हैं. पकड़ुआ बियाह का चलन शुरू होने पर इलाके के दबंगों ने इसे धंधा बना लिया. अगर किसी पिता को पकड़ुआ बियाह के जरिए अपनी बेटी की शादी करानी है तो वह इन दबंगों के पास जाते हैं. यहां लड़की के पिता और दबंग के बीच में डील होती है. डील के मुताबिक पकड़ुआ बियाह कराने और दुल्हन को उसके ससुराल में मान–सम्मान के साथ स्थापित करने के एवज में दबंग को फीस के तौर पर कुछ रकम दी जाती है. साथ ही दूल्हा डक्टर, इंजीनियर, बैंककर्मी, रेलवे आदि जिस भी विभाग में नौकरी कर रहा होगा उसके हिसाब से दबंग दुल्हन के पिता से रकम की डिमांड करते हैं. ऐसे में अगर कोई इंजीनियर दूल्हा २० लाख रुपये नकद दहेज मांग रहा है तो दबंग दो लाख–दो लाख लेकर पकड़ुआ बियाह करा देते हैं. ऊपर से शादी के तामझाम का भी खर्च बचता है. इस तरह लड़की का पिता महज दो से ढाई लाख रुपये में अपने लिए इंजीनियर दूल्हा पा लेता. शुरुआत में ५ से १० हजार रुपए में लड़का उठाया जाता बाद में यह लाख–दो लाख रुपये तक पहुंच गया. पकड़ुआ बियाह में दूल्हे को अगवा कराने में उसके किसी परिवार या रिश्तेदार का ही रोल होता है. करीबी या रिश्तेदार दूल्हे के शहर से गांव आने की पूरी डिटेल जानकारी देता है. उसके बाद ही दबंग समय और परिस्थित देखकर युवक का अपहरण करते हैं. शादी होने के बाद दुल्हन को ससुराल में स्थापित कराने में भी उसी रिश्तेदार या करीबी का रोल होता है. क्योंकि जबरन शादी के बाद दुल्हन के साथ उसके ससुराल में क्या व्यवहार हो रहा है इसकी जानकारी वही दबंग तक पहुंचाता है. १६७० से८० के दशक में बिहार में आमतौर पर माना जाता था कि अगर लड़का इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा है तो उसे सरकारी नौकरी हो ही जाएगी. इसलिए इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के दौरान युवकों का सबसे ज्यादा अपहरण किया जाता और उसका पकड़ुआ बियाह करा दिया जाता. मोकामा इलाके के सिलदही गांव के इंद्रदेव पहलवान ने बताया कि करीब–करीब पकड़ुआ बियाह सफल ही होते हैं. क्योंकि पकड़ुआ बियाह में आमतौर पर कच्ची उम्र के लड़कों को अगवा किया जाता है. शादी के बाद जबरन ही सही, कुछ दिन दुल्हन के साथ रहने से उन दोनों के बीच मानसिक रूप से भी पति–पत्नी का रिश्ता स्थापित हो जाता है. परिवार वालों को सामाजिक दबाव में समझाबुझा दिया जाता है. एकाध ही पकड़ुआ बियाह के मामले होते हैं जो थाने तक पहुंचते हैं. क्योंकि पकड़ुआ बियाह में लड़के को कुछ घंटों के लिए ही अगवा किया जाता है उसके बाद उसे ससम्मान दुल्हन के साथ उसके घर भेज दिया जाता है. समाज की सहभागिता के चलते पुलिस भी ऐसे मामलों में स्वेच्छा से खास दिलचस्पी नहीं लेती है. पकड़ुआ बियाह जैसे सामाजिक बुराई से सबसे ज्यादा लड़का लड़की को नुकसान उठाना पड़ता है. लड़की के पिता तो कम पैसे खर्च को बेटी की शादी अच्छी नौकरी या धन–संपदा से संपन्न युवक से करा देते हैं. सामाजिक दबाव में लड़के के परिवार वाले लड़की को अपना भी लेते हैं, लेकिन जीवनचर्या में उन्हें कितने ताने मारे जाते हैं इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है. इतना ही नहीं, कई बार तो लड़की को पूरे जीवन काल में पति का ठीक से प्यार नसीब नहीं हो पाता है. वहीं लड़का भी ऐसी शादी के बाद मानसिक रूप से परेशान हो जाता है. कई बार वह दिल से पत्नी को कभी स्वीकार ही नहीं पाता है. ऐसी स्थिति में प्यार की डोर से बनने वाला पति–पत्नी का रिश्ते नफरत और डर पर स्थापित हो जाता है. हालाँकि अब जैसे जैसे शिक्षा, जागरूकता बढ़ रही है यह विवाह पद्धति कम हो रही है।

चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरो को चोरी की स्कूटी के साथ किया गिरफ्तार

लखनऊ। मुखबिर की सूचना के आधार पर पीजीआई पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो वाहन चोरो को चोरी की स्कूटी के साथ किया गिरफ्तार मंगलवार को पीजीआई थाना क्षेत्र के वृन्दावन योजना के समीप कल्ली पश्चिम पुलीस लाइन की तरफ से आर हे दो वाहन चोरो को मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से दो स्कूटी व एक मोटरसाइकिल मौके पर बरामद किया गया है।प्रभारी निरीक्षक पीजीआई धर्मपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर दो वाहन चोरो को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ करने पर अपना–अपना नाम १–देवन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री मंगला सिंह निवासी फ्लैट नं० – २०६ ब्लाक ए इन्द्रप्रस्थ अपार्टमेन्ट कालिन्दी पार्क थाना पीजीआई लखनऊ, २–जीत गुप्ता पुत्र श्री शंकर गुप्ता निवासी शिल्पग्राम हाइवे के पास थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ बताया जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो बताया जो स्कूटी यूपी–३५ एक्स–८८४८ दिनांक २४–१२–२०२१ को आलगमबाग बस अड्डा के पास से चोरी किये थे जिसके सम्बन्ध में थाना कार्यालय से आलगमबाग थाने से सम्पर्क कर पता किया गया तो मु०अ०सं०– ३२५/२१ धारा–३७६ भादवि पंजीत है। संदीग्धों ने बताया कि हम स्मैक पिते है और घर वाले स्मैक का पैसा नहीं दे रहे है इसीलिये शहर में मोटरसाइकिल चोरी करके अपना खर्चा चला सके दो गाड़ी और कल्ली पुलिस लाइन के सामने बबूल के जंगल मे हमने गाड़िया छिपायी हैं इस पर बरामदगी की बाउम्मीद में पहुची पुलीस तो एक स्कूटी यूपी ३२ के जेड–२२६३ व एक मो०सा० नं० यूपी–३२ एचपी–६४१६ बरामद हुई जो दो हप्ते पहले चारबाग से चोरी की थी। फिलहाल पकड़े गए शातिरों को न्यायिक हिरासत में लेकर कारवाही करते हुए जेल भेज दिया गया है।

नए साल के बाद जिले में पहली बार आ रहे योगी, १५ सौ छात्रों को वितरित करेंगे टैबलेट

लखनऊ/वाराणसी। सीएम योगी आदित्यनाथ आज कोविड से जुड़ी तैयारियों के अवलोकन और छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरित करने दोपहर बाद वाराणसी आयेंगे। नए साल के बाद सीएम कया पहला वाराणसी दौरा होगा। योगी आदित्यनाथ का हेलीक प्टर संपूर्णानंद संस्ंत विश्वविद्यालय में लैंड होगा, जहां से वह सड़क मार्ग से रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के लिए रवाना होंगे। वाराणसी में अपने सभी कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद, सीएम आज देर शाम गोरखपुर दौरे के लिए निकल जायेंगे। सीएम योगी द्वारा वितरित होने वाले टैबलेटों के लिए प्रशासन द्वारा महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं का चुनाव किया जा चुका है। उच्च शिक्षा अधिकारी ड . ज्ञान प्रकाश ने जानकारी दी की, टैबलेटों के वितरण के लिए जिले के चार महाविद्यालयों से १५०० छात्रों को चुना जा चुका है, ये महाविद्यालय क्रमशः हरिश्चंद्र महाविद्यालय,

अग्रसेन महिला महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय बरेका और महादेव पीजी क लेज बरियासनपुर है। बता दे की, सीएम योगी को योजना के तहत जिले के ६० हजार छात्र छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण किया जाना है। यह योजना प्रदेश भर में अ नलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ ही, डिजिटल इंडिया के पहल को मजबूती देने की ओर एक कदम है। वाराणसी के पहले, लखनऊ में आयोजित हुए कार्यक्रम में, जगतपुर पीजी क लेज के दो सौ विद्यार्थियों को टैबलेट का वितरण किया जा चुका है। सीएम योगी रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के सभागार में आयोजित बैठक में, प्रदेश भर में तेजी से फैल रहे कोरोना की भी रिपोर्ट लेंगे, बैठक में प्रशासन सहित पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और अन्य अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वाराणसी में कोरोना संक्रमण पर चर्चा होगी, और इसके रोकथाम के लिए सुझाव भी दिए जायेंगे।

इस बार ईद पर सलामन नहीं बल्कि टाइगर करेंगे हीरोपंती

मुंबई। आमतौर पर लोगों को ईद के मौके पर सलमान खान की फिल्मों का इंतजार रहता है. लेकिन इस बार ईद के मौके पर टाइगर श्र फ हीरोपंती करने के

लिए तैयार हैं. टाइगर ने इस संबंध में खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर ये जानकारी दी है. दरअसल, टाइगर अपनी फिल्म हीरोपंती का सीक्वेल लेकर आ रहे हैं. कहा जा रहा है कि इस फिल्म में ऐसे ऐक्शन देखने को मिलेंगे, जो पहले स्क्रीन पर कभी देखने को नहीं मिला होगा. टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर 'हीरोपंती २' के सेट से अपनी नई फोटो शेयर की है. टाइगर ने कैप्शन में लिखा है कि हीरोपंती का लेवल इस बार डबल होने वाला है. सबसे चुनौतीपूर्ण सीन्स में से एक के लिए शूटिंग की गई है. इसकी झलक शेयर करने के लिए अब और वेट नहीं कर सकता. टाइगर ने बताया कि फिल्म ईद के मौके पर यानी २६ अप्रैल २०२२ को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. टाइगर के फैंस और दर्शकों को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. खुद टाइगर भी इस फिल्म के लिए खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं.बता दें कि टाइगर श्राफ ने फिल्म हीरोपंती से ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था. अपने एक्शन के लिए उन्हीं इसी फिल्म से पहचान मिल गई थी इसके साथ ही लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि बॉलीवुड को एक और नया सुपरस्टार मिल गया है. फिल्म 'हीरोपंती २' फिल्म हीरोपंती का सीक्वल है. 'हीरोपंती २' में टाइगर के साथ तारा सुतारिया नजर आने वाली हैं.

कपिल शर्मा की 'भूरी' को हुआ कोरोना, शो के सदस्यों में मचा हड़कंप

मुंबई। टीवी के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' की 'भूरी' मतलब एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। जिसके बाद उन्होंने अपने संपर्क में आए सभी लोगों से कोविड टेस्ट कराने का अनुरोध किया है। सुमोना के संक्रमित होने के बाद शो के अन्य सदस्यों में भी खलबली मच गई है। एक्ट्रेस के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर के बाद से ही उनके फैंस उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपको बता दें कि, कोरोना ने दूसरी लहर की तरह ही एक बार फिर मनोरंजन इंडस्ट्री में पांव जमाना शुरू कर दिया है। जिसके बाद कई बॉलीवुड हस्तियां और टीवी कलाकार इसकी चपेट में आ गए हैं। एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी खुद एक पोस्ट शेयर

करके दी है। उन्होंने कहा है कि वह कोरोना से संक्रमित हो गई हैं। सुमोना ने लिखा है कि मैं मध्यम लक्षणों के साथ कोरोना वायरस से संक्रमित हूं। मैं फिलहाल घर पर क्वारंटीन हूं। गौरतलब है कि, मुंबई में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण और ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए कपिल शर्मा ने भी शो की शूटिंग रोकने का फैसला किया था। दिसंबर के अंत में द कपिल शर्मा शो के मेकर्स ने शो की शूटिंग एक हफ्ते के लिए रोक दी थी। इस संबंध में शो की जज अर्चना पूरण सिंह ने जानकारी देते हुए कहा था कि एक हफ्ते के लिए शो की शूटिंग से ब्रेक लेने का फैसला लिया गया है। शो के एक्टर्स, क्रू मेंबर्स, अ डियंस और उनके परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शूटिंग पर रोक लगाई गई थी। आपको बता दें कि, इससे पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और जॉन अब्राहम भी अपनी पत्नी के सहित कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक मामले पर सियासी खींचतान अनुचित : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में पंजाब में हुई चूक पर जारी राजनीतिक खींचतान को अनुचित करार देते हुए घटना की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की। मायावती ने बृहस्पतिवार को किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभी हाल के पंजाब दौरे के दौरान जो सुरक्षा चूक हुई है वह अत्यंत चिंता का विषय है। इस घटना को पूरी गंभीरता से लेकर इसकी उच्च–स्तरीय निष्पक्ष जाँच जरूरी है, ताकि इसके लिए दोषियों को उचित सजा मिल सके तथा आगे ऐसी घटना की पुनरावृति न हो। उन्होंने कहा, पंजाब आदि राज्यों में होने वाले विधानसभा आमचुनाव के मद्देनजर इस घटना को लेकर जो राजनीतिक खींचतान, आरोप–प्रत्यारोप व राजनीति की जा रही है वह भी उचित नहीं है। घटना के संबंध में राजनीति को विराम देकर इसकी गंभीरता के अनुरूप निष्पक्ष जाँच होने देना ही उचित होगा। गौरतलब है कि बुधवार को पंजाब के फिरोजपुर में रैली को संबोधित करने जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला हुसैनी वाला क्षेत्र में एक फ्लाईओवर पर पहुंचा। तभी कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क अवरुद्ध कर दिया। प्रधानमंत्री कुछ देर तक वहीं फंसे रहे और वहीं से वापस लौट गए। इसे प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक के रूप में देखा जा रहा है। इस मामले को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और पंजाब में सत्तारूढ़ कांग्रेस के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है।

अमिताभ बच्चन के घर में कोरोना ने फिर मारी सेंध

मुंबई। कोरोना वायरस तमाम सुरक्षा इंतेजामात को चकमा देकर एक बार फिर से बॉलीवुड के 'महानायक' अमिताभ बच्चन के घर में प्रवेश कर गया है। जिसके चलते बिग बी अमिताभ एक बार फिर से कोरोना संकट से जूझ रहे हैं। बता दें कि, २०२० में भी कोरोना वायरस ने अभिताभ के घर में प्रवेश किया था और परिवार के सभी लोग इसकी चपेट में आ गए थे। खुद अमिताभ बच्चन को अस्पताल जाना पड़ा था। अमिताभ बच्चन ने इस संबंध में खुद जानकारी देते हुए लिखा है कि, घर में कोविड के हालात से गुजर रहा हूं और फैन्स से बाद में संपर्क साधूंगा .हालांकि, इस पोस्ट अमिताभ ने घर में किसको कोरोना हुआ है, इसकी जानकारी नहीं दी है। सूत्रों की माने तो अमिताभ के घर पर स्टाफ में से किसी एक के कोरोना प जिटिव पाए जाने की खबर है। बिग बी के घर में फिर से कोरोना की दस्कत के बाद उनके फैंस में खलबली मच गई है और ऐसे में इसे लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। घर के स्टाफ मेम्बर्स में से किसी को संक्रमण हुआ हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktibZ

lhrkiqj

eks-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqjs'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

eks-09386075289

मो० अरशद

C;wjks phQ

eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक